Department of education

B. S. N. V. P. G. COLLEGE CHARBAGH LKO

B. A. SEM 5TH

PAPER - I MEASUREMENT AND EVALUATION IN EDUCATION

TEACHER - DR. GEETA RANI

UNIT - LECTURE 3 AND 4

TOPIC - type of test

वर्तमान समय में मापन का विस्तार अधिक हुआ है शिक्षक विद्यार्थियों के सीखने की प्रगति को जानने के लिए भिन्न भिन्न विधियों का प्रयोग करते हैं. आज शैक्षिक मापन के क्षेत्र में प्रगति के तीन रूप दिखाई देते हैं पहला परीक्षण दूसरा मापन और तीसरा मूल्यांकन। प्रत्येक अध्यापक यह जानना चाहता है कि उसने विद्यार्थियों को जो भी पढ़ाया है उसे उस छात्र ने कहां तक ग्रहण किया और कितनी सफलता हासिल की कौन सा छात्र होशियार है और कौन सा मंदबुद्धि? शिक्षण की सफलता हम मूल्यांकन द्वारा करते हैं क्योंकि सफलता उद्देश्यों की प्राप्ति के संदर्भ में ही जानी जाती है इस हेतु उपयुक्त मूल्यांकन के लिए स्पष्ट उद्देश्य होना आवश्यक है प्राया हम परीक्षण द्वारा क्या माफ सकते हैं उसका वर्गीकरण भी आवश्यक है यह कह सकते हैं कि परीक्षण द्वारा व्यक्ति की विभिन्न विभिन्न अभीक्षमता विशिष्ट योग्यता एवं रूचि चरित्र उपलब्धि और व्यक्तित्व की मापकर सकते हैं मापन के लिए अनेक मापन यंत्र यह परीक्षाओं की आवश्यकता होती है तथा इन परीक्षाओं का वर्गीकरण भी हम इन्हीं मापन योग्यताओं के आधार पर कर सकते हैं अतः मापन परीक्षाएं जो हमारे लिए आवश्यक और उपयोगी है वह निम्न वत है

- प्रशासन के आधार पर
- प्रमाणीकरण के आधार पर
- फल अंकन के आधार पर
- रूप के आधार पर
- माध्यम के आधार पर और
- शीलगुण के आधार

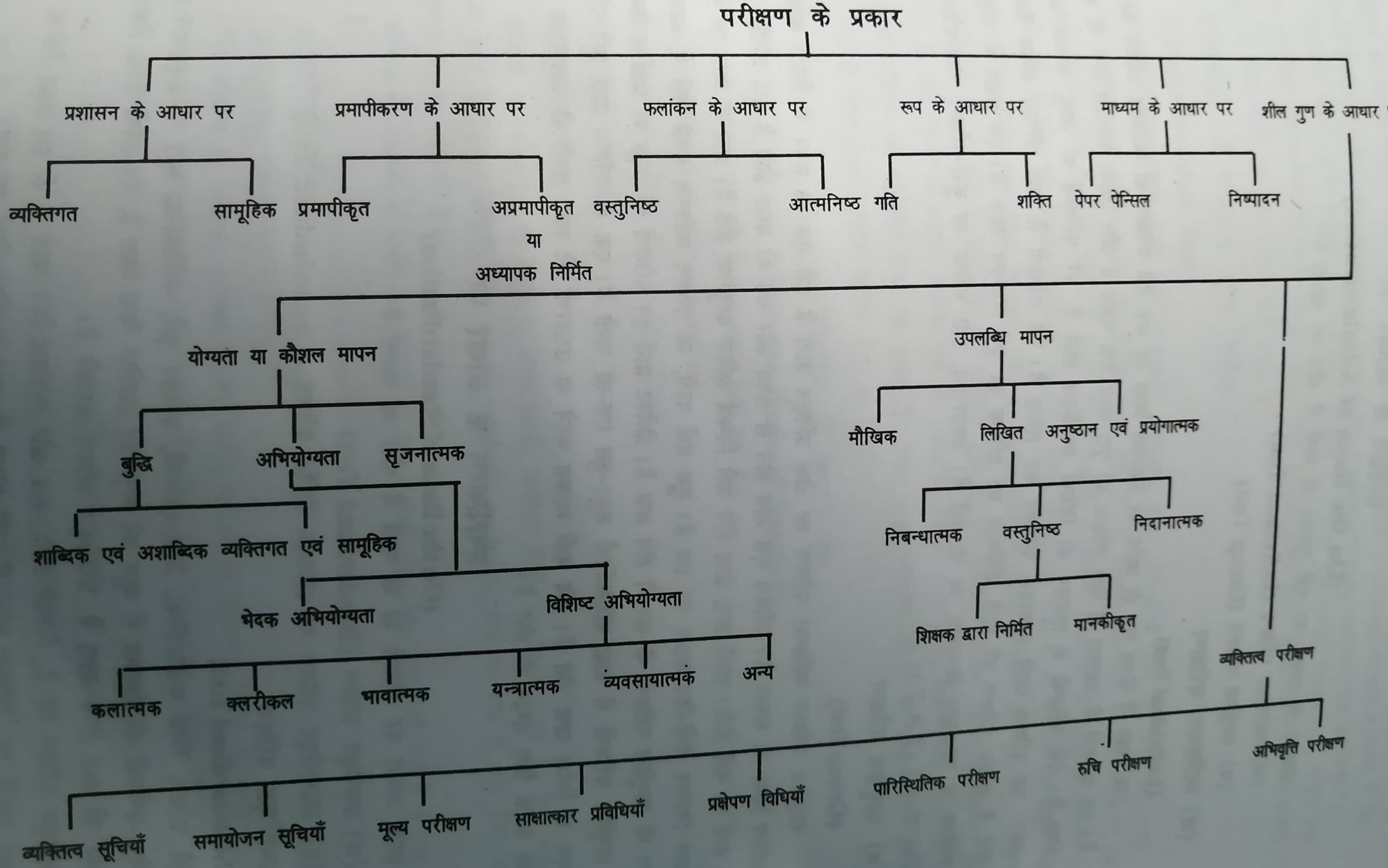
परीक्षण के प्रकार
प्रशासन के आधार पर
व्यक्तिगत
सामूहिक
प्रमापीकरण के आधार पर
प्रमापीकृत
अप्रमापीकृत या अध्यापक निर्मित
फलांकन के आधार पर
वस्तुनिष्ठ
आत्मनिष्ठ
रूप के आधार पर
गति
शक्ति
माध्यम के आधार पर
पेपर पेन्सिल
निष्पादन
शील गुण के आधार
योग्यता या कौशल मापन
बुद्धि
शाब्दिक एवं अशाब्दिक
अभियोग्यता
व्यक्तिगत एवं सामूहिक
सृजनात्मक
भेदक अभियोग्यता
विशिष्ट अभियोग्यता
कलात्मक
क्लरीकल
भावात्मक
यन्त्रात्मक
व्यवसायात्मक
अन्य
उपलब्धि मापन
मौखिक
लिखित अनुष्ठान एवं प्रयोगात्मक
निबन्धात्मक
वस्तुनिष्ठ
निदानात्मक
शिक्षक द्वारा निर्मित
मानकीकृत
व्यक्तित्व परीक्षण
व्यक्तित्व सूचियाँ
समायोजन सूचियाँ
मूल्य परीक्षण
साक्षात्कार प्रविधियाँ
प्रक्षेपण विधियाँ
पारिस्थितिक परीक्षण
रुचि परीक्षण
अभिवृत्ति परीक्षण